3 गाँव की पिकनिक

पहले बूझें बात, फिर पढ़ें पाठ–

चित्र में क्या-क्या हो रहा है? कोई चार चीज़ें बताइए।

जानी-समझी बातें–

- क्या आप कभी गाँव गए हैं?
- गाँव में ऐसी कौन-कौन सी चीज़ें होती हैं, जो शहर में नहीं होती?
- आप पिकनिक पर क्या-क्या करते हैं?

शिक्षण संकेत: *आप चित्र दिखाकर पूछ सकती हैं कि चक्की किस उपयोग में आता है? इससे अनाज कैसे पीसे जाते हैं? चित्र में दिए गए पालतू जानवर गाँव में किन-किन उपयोग में आते होंगे? आदि। आप चित्र के आधार पर और भी प्रश्न पूछ सकती हैं।*

हम जानेंगे–

- विपरीत परिस्थियों में भी खुश रहने का प्रयास करना।
- स्वयं करके सीखना।
- किसी प्रक्रिया को फ्लो-चार्ट के रूप में लिखना।
- तुलना कर पाना।
- समस्या का समाधान दिखाना।
- विलोम शब्द बदलकर वाक्य लिखना।
- हलंत का प्रयोग करना।
- थैंक यू कार्ट बनाना।

"गुल्लू के बच्चे, परेशान मत कर! एक तो मैं वैसे ही गाँव में आकर फँस गया हूँ। अब तू मेरा दिमाग मत खराब कर।" रोहन झुँझलाते हुए बोला। गुल्लू जो रोहन के साथ खेलने के इरादे से उसका मोबाइल लेकर अलमारी के पीछे छुपा था, बाहर निकल आया। "आखिर तू गाँव आकर इतना क्यों परेशान है? जबसे तू यहाँ आया

है, मुँह सड़ाकर मोबाइल से चिपका रहता है।" गुल्लू ने पूछा।

रोहन गुस्से से बोला– अच्छा, मुँह न सड़ाऊँ, तो क्या करूँ? न यहाँ ए.सी. है, न बर्गर-पिज़्ज़ा, न पिकनिक! न इंटरनेट है, कुछ करने को भी नहीं है। तो बोल क्या करूँ?

गुल्लू बोला– हम्म, बस इत्ती-सी बात! देख, तू शहर से तीन साल बाद अपने गाँव आया है। इसलिए तेरा ये चचेरा भाई गुल्लू तेरी परेशानी का हल ज़रूर निकालेगा। चल बता, पिकनिक में क्या-क्या होता है?

रोहन– हम लोग किसी बगीचे या खुली जगह में जाते हैं। बैडमिंटन, फ़ुटबॉल या फ्रिस्बी जैसे बाहर खेले जाने वाले खेल खेलते हैं। भूख लगने पर एक साथ बैठकर फ्रेंच फ्राइज़, बर्गर, सैंडविच, जूस और फल आदि खाते हैं। बड़ा मज़ा आता है।

गुल्लू– बस यही है पिकनिक? ये तो हम रोज़ करते हैं। तुम्हारी पिकनिक कल से ही शुरू हो जाएगी। सुबह तैयार रहना।

अगली सुबह दोनों भाई तैयार होकर बगीचे में पहुँचे। वहाँ गुल्लू के दोस्त पहले ही तैयारी करके बैठे थे। तीन ऊँचे-ऊँचे मचान थे। सभी चढ़कर मचान पर बैठ गए। "कितनी ठंडी, ताज़ी हवा है।" रोहन बैठते ही बोला।

"है न, देखों तुम्हारी ए.सी. भी फेल है इसके सामने।

अब चल कंचा गोटी खेलते हैं। यह खेल लूडो जैसा ही होता है। हम गाँव के बच्चे इमली, लीची, बेर आदि फलों के छोटे बीजों से इसकी गोटियाँ बनाते हैं।" गुल्लू ने बताया। फिर क्या था। हो-हल्ला मच गया। रोहन की दो गोटियाँ पिटी, गुल्लू की एक। अंत में गुल्लू का दोस्त बबलू जीत गया। फिर सबको भूख लगी। उसकी अलग तैयारी थी। गुल्लू दीनू काका के पास जाकर बोला– "दीनू काका, तुम्हारे बगीचे से दो-चार आम ले लें? आज हमारी पार्टी चल रही है।"

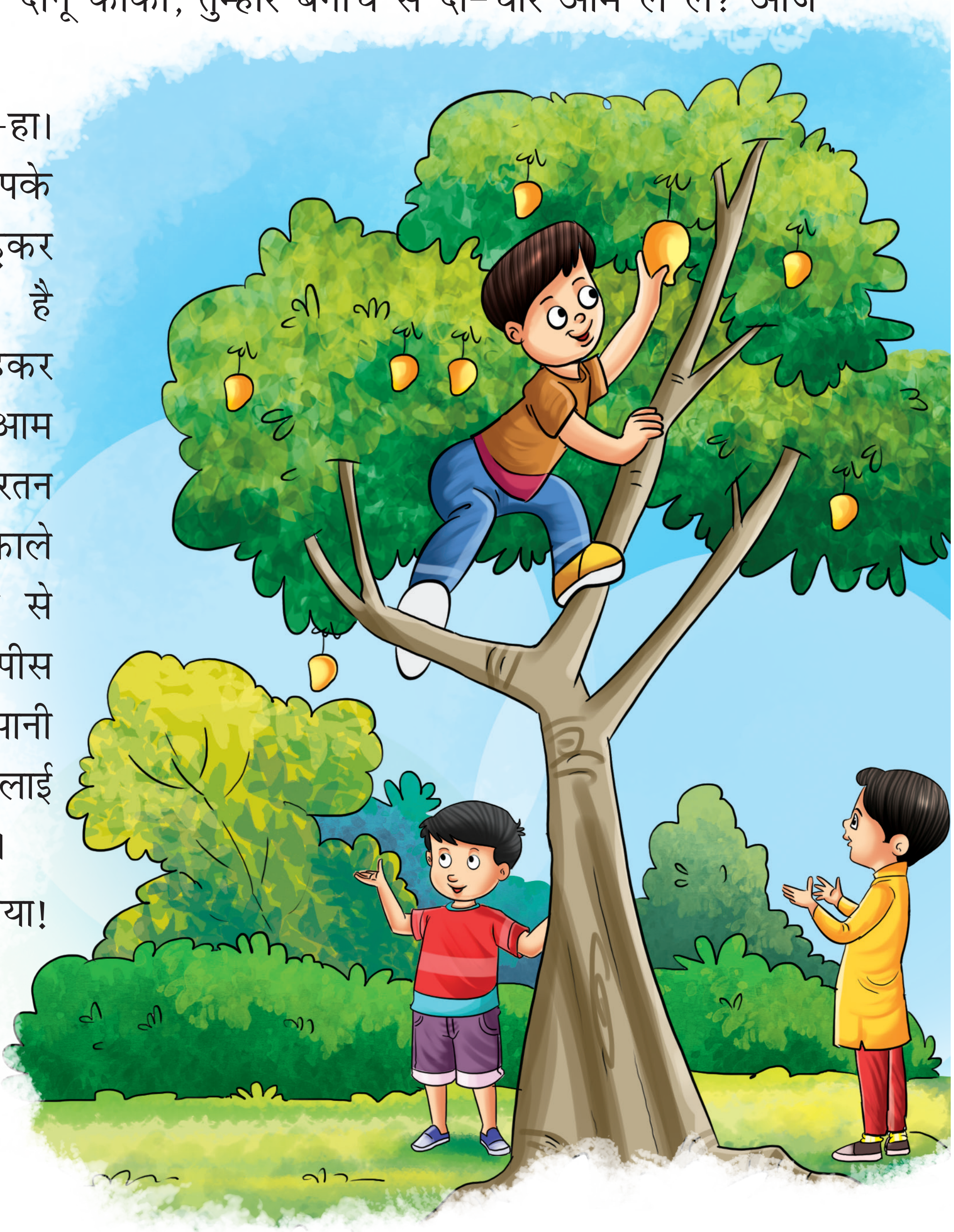

दीनू काका बोले– "पारटी? हा-हा। ठीक है, लेकिन अच्छी तरह पके आम ही तोड़ना। कच्चे आम तोड़कर बरबाद मत करना।" "ठीक है दीनू काका। ध्यान रखेंगे।" कहकर गुल्लू पेड़ पर चढ़ गया। पके आम तोड़े गए। एक लकड़ी के बरतन में सभी पके आमों के रस निकाले गए। एक साफ़ मोटी लकड़ी से दबा-दबाकर मोटे टुकड़ों को पीस लिया गया। फिर उसमें थोड़ा पानी और दीनू काका से माँगकर लाई गई चीनी और दूध डाला गया।

गुल्लू– ले अमरस तैयार हो गया!

रोहन– लेकिन पिएँगे कैसे?

गुल्लू– दोना-पत्तल (गुल्लू ने बड़े-बड़े पत्तों वे बीच से मोड़कर दोना बनाकर दिखाया) सभी बच्चों ने अपने-अपने दोनों में अमरस पिया। फिर खेतों में खीरा, टमाटर तोड़कर खाया, खुद ही रस्सी से झूला बनाकर झूले, तालाब में नहाया, बकरी के बच्चों के पीछे दौड़े छुपन-छुपाई खेली और रात तक दोनों थक-हारकर घर आए। रोहन तो जैसे शहर का जीवन भूल ही गया। दस दिनों बाद

जब वापस जाने का समय आया, तो रोहन की आँखों में आँसू आ गए। गुल्लू को गले लगाकर बोला– "तूने तो मुझे जीना सिखा दिया। अब मुझे पता चला बंद कमरों में ए.सी. में बैठकर, जंक फ़ूड खाना, हर बात पर शिकायत करना सही तरीका नहीं है। कभी-कभी बाहर निकलकर ताज़ी हवा में प्रकृति में मज़े लेना भी जीवन है। शहर में सारी चीज़ें उपलब्ध हैं, फिर भी हम कमी निकालते हैं, यहाँ सारी असुविधाओं के बीच भी तुम लोग समस्याओं का हल निकालते हुए खुशी से जीते हो।" बीच में बात काटते हुए गुल्लू बोला– "सुन भाषण मत दे। अब तू हर साल आएगा तभी मानूँगा कि तू सच बोल रहा है।" रोहन हँसकर बोला– "पक्का, तय रहा। हर साल।" दोनों हँसने लगे।

शब्दार्थ : ***झुँझलाते***– *बहुत दुखी होकर बोलना,* ***फ्रिस्बी***– *फ्लाइंग डिस्क,* ***मचान***– *बाँस आदि की सहायता से बनाया गया ऊँचा आसन या मंच,* ***दोना***– *पत्तों का बना हुआ कटोरे के आकार का छोटा गहरा पात्र,* ***उपलब्ध***– *जो मिल सकता हो,* ***असुविधाः***– *कठिनाई,* ***समस्या***– *कठिनाई या संकट,* ***भाषण***– *कुछ कहना*

शिक्षण संकेत : *विद्यार्थियों को कहानी हाव-भाव के साथ पढ़कर सुनाइए। कुछ विद्यार्थियों को गुल्लू और रोहन के संवाद बोलने को कहें। साथ-ही-साथ विद्यार्थियों से गाँव और शहरी जीवन पर चर्चा भी करें।*

मुहावरा : ***आँखों में आँसू आना***– *दुखी होना*

श्रुतलेख– *झुँझलाते, सड़ाकर, इंटरनेट, फ्रिस्बी, छुपन-छुपाई, प्रकृति, उपलब्ध, समस्या, असुविधा, भाषण*

अभ्यास

पाठ ज्ञान

मौखिक प्रश्न

- **बोलकर प्रश्नों के उत्तर बताइए–** [Knowledge]

(क) रोहन का चचेरा भाई कौन था?

(ख) रोहन कहाँ आकर फँस गया था?

(ग) रोहन किससे चिपका रहता था?

(घ) गुल्लू के दोस्त का नाम क्या था?

(ङ) सभी बच्चों ने अमरस किसमें पिया?

लिखित प्रश्न

1. **अमरस बनाने की प्रक्रिया को नीचे दिए गए फ्लो-चार्ट में लिखिए–** [Analysis]

....

मोटी लकड़ी से दबाकर आम के मोटे टुकड़ों को पीसा गया

....

....

2. **अमरस पीने के बाद बच्चों ने क्या-क्या किया? कोई तीन चीज़ें झोपड़ी में लिखिए–** [Analysis]

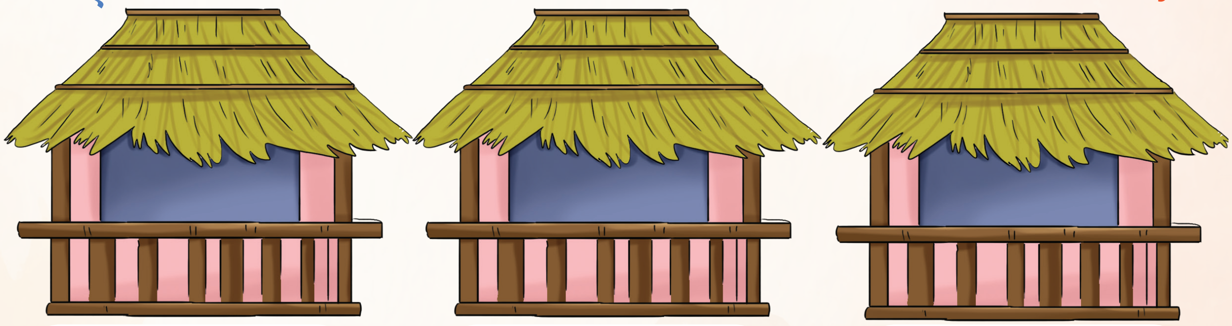

....

3. दी गई तालिका में गुल्लू और रोहन के बीच कोई दो अंतर लिखिए– [Evaluation]

गुल्लू	रोहन
....	....
....	....

4. दिए गए बॉक्स में पिकनिक से जुड़ी जानकारियों को भरिए– [Knowledge]

पिकनिक में कौन-कौन से खेल खेले जाते हैं?

....
....

....
....

पिकनिक में क्या-क्या खाते हैं?

....
....

....
....

5. दी गई समस्याओं का गुल्लू ने क्या-क्या समाधान निकाला? [Application]

समस्या	समाधान
रोहन उदास था तो उसे खुश करने के लिए क्या किया?	
अमरस पीने के लिए कुछ नहीं था, तो क्या किया?	

6. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– [Understanding]

(क) रोहन कितने साल बाद गाँव गया था?

(ख) कंचा गोटी खेल में गोटियाँ किस-किस के बीज से बनाई जाती है?

(ग) गुल्लू रोहन का मोबाइल लेकर अलमारी के पीछे क्यों छिप गया?

(घ) रोहन की आँखों में आँसू क्यों आ गए?

(ङ) रोहन ने ऐसा क्यों कहा हर बात पर शिकायत करना सही तरीका नहीं है?

भाषा ज्ञान

1. दिए गए शब्दों के विलोम शब्द के जोड़े बनाइए और लिखिए– [Knowledge]

भाई	कच्चा	पहले
शाम	कल	झूठ
सुबह	बाद में	सच
आज	पक्का	बहन

भाई	बहन
....	....
....	....
....	....
....	....
....	....

2. दिए गए रेखांकित शब्दों के विलोम शब्द से वाक्यों को दोबारा लिखिए– [Evaluation]

(क) खेल में हम लोगों की <u>हार</u> हुई।

....

(ख) हमें सदा <u>असत्य</u> बोलना चाहिए।

....

(ग) शहर यहाँ से <u>निकट</u> है।

....

(घ) आज हवा बहुत <u>ठंडी</u> है।

....

3. दिए गए शब्दों के दो-दो सही समानार्थी शब्दों के बॉक्स में रंग भरिए– [Art-Integrated Learning]

(क) बगीचा	पुष्प	बाग	वाटिका
(ख) सुबह	सवेरा	निशा	प्रातः
(ग) वृक्ष	वृक्ष	तरु	फलक
(घ) घर	ग्रह	गृह	भवन

4. दिए गए शब्दों में 'अ' जोड़कर विलोम शब्द बनाइए– [Application]

अ

सफल	असफल
सुविधा	....
दृश्य	....
शुद्ध	....

5. दिए गए वाक्यों में सही जगह पर विराम (? । ,) लगाइए– [Application]

(क) आखिर तू गाँव आकर इतना क्यों परेशान है

(क) रोहन की दो गोटियाँ पिटीं गुल्लू की एक

(क) भूख लगने पर फ्रेंच फ्राइज़ बर्गर सैंडविच जूस और फल आदि खाते हैं

(क) तुम्हारे बगीचे से दो–चार आम ले लें

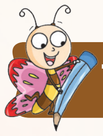

शब्द–खेल

- 'र' के विभिन्न रूप वाले शब्द को अलग–अलग करके लिखिए– [Analysis]

ट्रक फ्रेंच फ्राइज़ ग्रह सूर्य ड्रम प्रकाश बर्गर ट्रेन फ्रिस्वी वर्षा

रेफ	पदेन
....	....
....	....
....	....

मन की बातें

- मान लीजिए आपको भी रोहन की तरह किसी गाँव जाना पड़े, तो आप वहाँ क्या–क्या करेंगे? सोचिए और बताइए। [Critical Thinking]

- अपने दादा-दादी या या नाना-नानी से उनके गाँव के अनुभवों को जानिए। उनसे पूछें कि आपके गाँव में क्या-क्या चीज़ें थी? गरमी लगने पर आप क्या करते थे? खाने में क्या-क्या खाते थे? क्या आप कभी किसी पेड़ पर चढ़े हैं? आदि। मिली गई जानकारी को अपनी कक्षा में साझा कीजिए। [Communication]
- अगर रोहन को गुल्लू की पिकनिक पसंद नहीं आती तो क्या होता? [Critical Thinking]
- गाँव की संस्कृति और शहर के माहौल में क्या अंतर है? बताइए। [Integrated Learning]

हँसते-खेलते

[Activity-Based Learning]

- रोहन जब शहर गया तो उसे गाँव और अपने भाई गुल्लू की पिकनिक बहुत याद आई। उसने सोचा कि वह गुल्लू को एक "थैंक यू" कार्ड बनाकर भेजेगा। रोहन की कार्ड बनाने में मदद कीजिए, गुल्लू के लिए एक प्यारा-सा संदेश लिखिए, किनारो पर बॉर्डर बनाइए और रंग-बिरंगी कलम से उसे सजाइए।

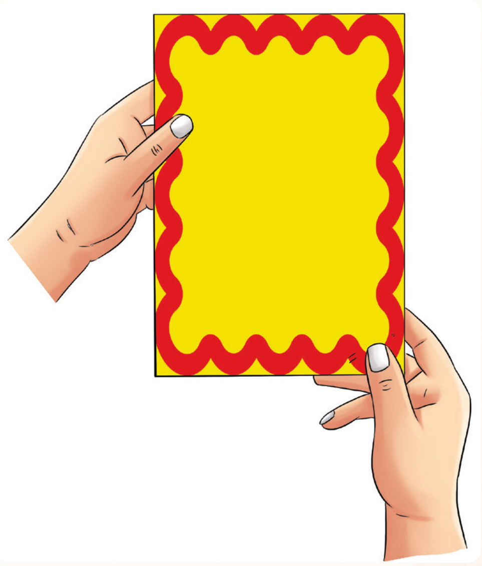

- आइए कागज़ के कप से गाँव का एक घर बनाते हैं। इसके लिए हमें चाहिए- एक कागज़ का कप, किसी भी रंग की एक ओरिगामी कागज़, रंग-बिरंगे कलम और फेविकोल।
  - सबसे पहले एक कागज़ के कप पर खिड़की और दरवाज़ा बनाइए।
  - दरवाज़े के आस-पास कुछ फूल, पत्तियाँ और घास बनाइए।
  - सभी चीज़ों में अपनी मन-पसंद का कोई भी रंग भरिए।
  - अब एक ओरिगामी कागज़ लें और उसे गोल काट लें।
  - उसके बाद दोनों किनारों को आपस में फेविकोल से जोड़कर एक कोन (cone) बनाइए।
  - अंत में उसे कप पर उस कोन को चिपकाइए।